नागौद में अवैध उत्खनन हुआ बेलगाम

राजस्व अधिकारी की भूमिका संदिग्ध, विधायक व पूर्व मंत्री की चिट्ठी भी हुई बेअसर

- अमरन नदी व वनभूमि पर माफियाओं का कब्ज़ा जारी , जिला प्रशासन मौन

नवभारत न्यूज

नागौद 30 नवम्बर। जिले के नागौद क्षेत्र में अवैध उत्खनन की अब बेलगाम हो गया । हालत यह है कि अमरन नदी में हो रहे अवैध उत्खनन पर पूर्व मंत्री और सत्तारूढ़ पार्टी के वरिष्ठ विधायक नागेन्द्र सिंह द्वारा अमरन नदी हो रहे अवैध उत्खनन को रोकने के लिए एसडीएम को लिखी गई चिट्ठी भी बेअसर है।

जहां एक ओर प्रदेश सरकार लगातार अवैध खनन पर नकेल कसने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर नागौद में प्रशासन की कार्यवाही सिर्फ़ कागज़ों तक सिमटकर रह गई है।

अमरन नदी बनी अवैध खनन का हब

नागौद की अमरन नदी में रात-दिन रेत और मिट्टी का अवैध उत्खनन और परिवहन का खेल धड़ल्ले से जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नदी का प्राकृतिक स्वरूप तेजी से बिगड़ रहा है और मशीनों से हो रहा गहरा कटाव क्षेत्र के पर्यावरण को गंभीर खतरा पहुंचाता है।

सबसे हैरान करने वाली बात यह कि पूर्व मंत्री एवं नागौद विधायक ने स्वयं लिखित शिकायत कर अवैध खनन पर रोक लगाने की अनुशंसा की,लेकिन इसके बावजूद खनन माफियाओं का खेल खुलेआम जारी है।

वन भूमि और अलॉटेड जमीन तक खोदी जाने लगी-सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अवैध उत्खनन अब सिर्फ नदी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वनभूमि व अलॉटेड जमीन पर भी माफियाओं ने अवैध खनन शुरू कर दिया है। इन जगहों पर खनन पूरी तरह प्रतिबंधित है, फिर भी कार्रवाई न होना कई सवाल खड़े करता है।

राजस्व अधिकारी की भूमिका पर सवाल-स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि राजस्व अधिकारी और संबंधित विभागों की भूमिका संदिग्ध है,क्योंकि बिना संरक्षण या मौन स्वीकृति के इतने बड़े पैमाने पर खनन संभव ही नहीं।

जिला प्रशासन आखिर मौन क्यों?

लिखित शिकायतें, जनप्रतिनिधियों के पत्र, ग्रामीणों की शिकायतें सब कुछ होने के बावजूद जिला प्रशासन की चुप्पी अब गंभीर सवाल खड़े कर रही है। क्या प्रशासन पर कोई दबाव है? या फिर खनन माफिया इतने मजबूत हैं कि सरकारी आदेश भी उनके आगे बेअसर हो गए हैं?

कोटर – सतना सड़क गड्ढों में तब्दील

नवभारत न्यूज

कोटर 30 नवम्बर। लोकनिर्माण विभाग की कोटर से सतना सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई है, कुछ हिस्सों में पैच मरम्मत केवल खानापूर्ति साबित हो रहा है । पैच वर्क के नाम पर कुछ गड्ढों में डस्ट भर डाली गई है।

खराब सड़क के कारण अक्सर सड़क हादसे हो रहे हैं एवं हिचकोले खाते चल रहे हैं, सड़क के निर्माण की टेंडर प्रक्रिया हो जाने के बाद भी नहीं शुरू हो रहे सड़क के निर्माण कार्य , स्थानीय नागरिकों में खराब सड़क के कारण फैल रहा आक्रोश खराब सड़क के निर्माण को लेकर कर सकते है बड़ा आंदोलन।

सुंदरा वाया सिंहपुर कोठी मार्ग के दुर्दशा पर पूर्व विधायक कल्पना वर्मा ने सरकार को घेरा

नवभारत न्यूज

कोठी 30 नवम्बर। मध्य प्रदेश सरकार जहां एक ओर प्रदेश की सड़कों की तुलना अमेरिका के सड़कों से कर रही है, वहीं दूसरी ओर रैगांव विधानसभा क्षेत्र के सुंदरा से सिंहपुर कोठी तक की सड़क की हालत इतनी जर्जर हो चुकी है कि यह कहना मुश्किल है कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों पर सड़क है ।

इस मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, लोगों के हाथ पैर टूट रहे हैं गाड़ी वाहन टूट रहे हैं जिससे क्षेत्र के लोगों को लोगों को भारी मात्रा में आर्थिक एवं शारीरिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के इस सड़क मार्ग को लेकर पूर्व विधायक कल्पना वर्मा ने सरकार पर तीखा हमला बोला है व श्रीमती वर्मा ने कहा कि जिस क्षेत्र की विधायक स्वयं प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री हैं, उस क्षेत्र के सड़कों की यह हालत सरकारी विकास के दावों की पोल खोल रही है। श्रीमती वर्मा ने यह भी कहा कि यह सड़क क्षेत्र की जीवनरेखा है सड़क मरम्मत के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च हो चुके हैं लेकिन सड़क जस की तस है सड़क मरम्मत के नाम पर भारी मात्रा में भ्रष्टाचार हुआ है जिस कारण सड़क पूरी तरह से उखड़ चुकी है। जगह-जगह गड्ढे होने से आवागमन जोखिम भरा हो गया है। पूर्व विधायक ने चेतावनी देते हुए कहा अगर जल्द ही सुंदरा से सिंहपुर कोठी तक की सड़क की मरम्मत नहीं की गई, तो मैं स्वयं कार्यकर्ताओं के साथ सड़क पर उतरकर अनिश्चितकालीन धरना दूंगी । श्रीमती वर्मा ने कहा कि सरकार को प्रचार से बाहर निकलकर जमीनी सच्चाई देखनी चाहिए। श्रीमती वर्मा ने जिले के कलेक्टर से तत्काल इस मार्ग के मरम्मत की मांग की है क्योंकि जनता अब दिखावटी वादों से नहीं, बल्कि वास्तविक विकास की अपेक्षा करती है।

सब्जी मंडी का टीन सेड बिना उपयोग ही हुआ ध्वस्त

लाखों की लागत बनी मंडी को संरक्षित व सुरक्षित करने में किसी का ध्यान नहीं

नवभारत न्यूज

कोठी 30 नवम्बर। बस स्टैंड परिसर कोठी के पीछे पुराने नगर परिषद कार्यालय के बगल से बना सब्जी मंडी के लिए टीन सेड बिना उपयोग हुए ही कबाड़ होकर गिरकर नष्ट हो रहा है इसे संरक्षित करने व सुरक्षित करने दे रहा है ना ही कोई संजीदा है जबकि यह नगर परिषद के पुराने कार्यालय के ठीक सामने बना हुआ है ।

सब्जी मंडी बस स्टैंड से भी लगा हुआ है जिसका कोई कोई रखरखाव भी नहीं किया जाता है कुल मिलाकर लाखों की लागत से बनाई गई मंडी को बिना उपयोग किये ही योजनाबद्ध तरीके से नष्ट कर दिया गया। यह सब्जी मंडी का निर्माण नगर परिषद की पूर्व अध्यक्ष रामदुलारी गुप्ता के कार्यकाल में हुआ था और बस स्टैंड परिसर से लगा हुआ पुराने नगर परिषद कार्यालय के बगल में खाली पड़ी जमीन पर टीन सेड लगाकर मंडी बनवाई गई थी कि कोठी में सब्जी मंडी व्यवस्थित की जा सके परंतु आज तक मंडी तो शुरू ही नहीं कराई गई ना ही वहां पर लगाए जाने का कोई प्रयास किया गया जिससे असामाजिक तत्वों के चलते वह मंडी अब नष्ट हो गई है और टीन सेड भी रखरखाव के अभाव में ध्वस्त हो गया है और आज तक इसे संरक्षित करने की दिशा पर कोई पहल नगर परिषद द्वारा नहीं की गई है स्थानीय निवासियों ने बताया कि यदि नगर परिषद चाहे तो यहां पर व्यवस्थित तरीके से मंडी लगवा सकती है क्योंकि पुराना नगर परिषद कार्यालय की भी जमीन है साथ ही अन्य जमीन खाली पड़ी हुई है जिससे कि सड़क पर लगा रहे अव्यवस्थित तरीके से मंडी को व्यवस्थित किया जा सके क्योंकि अभी भी बहुत से लोग सड़क पर ही व्यापार कर रहे हैं।

हालांकि पिछले दिनों नगर परिषद के द्वारा की गई कार्रवाई के चलते अब सड़क के बीचो-बीच मंडी लगना बंद हो गई है और लोग सड़क के किनारे जहां पर जगह मिल रही है वहां पर अपना व्यापार कर रहे हैं और बीच सड़क को छोड़ दिए हैं जिससे थोड़ा बहुत आवागमन भी शुरू हो चुका है परंतु अभी पूर्ण रूप से व्यवस्थित नहीं है।

परिषद द्वारा तात्कालिक रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने खाली पड़ी जमीन पर वैकल्पिक रूप से मंडी की व्यवस्था की गई है जिसमें सुबह सब्जी मंडी लगती है और दोपहर के बाद चौपाटी, परंतु लोगों ने कहा कि परिषद द्वारा अभी वैकल्पिक व्यवस्था की गई है जबकि यह मंडी भी इसी क्षेत्र से लगी हुई है जो देखरेख एवं रखरखाव के बिना नष्ट हो गई यदि नगर परिषद चाहे तो बस स्टैंड से पुराने नगर परिषद कार्यालय से लगी हुई काफी जमीन खाली पड़ी हुई है और उसका एरिया भी काफी अधिक है यदि मजबूत इरादे के साथ नगर परिषद व्यवस्था बनाना चाहे तो व्यवस्थित तरीके से कार्य किया जा सकता है और सुंदरता भी लाई जा सकती है और लोगों को व्यवस्थित व्यापार की सुविधा प्रदान की जा सकती है जो अभी सड़क के किनारे व्यापार करने के लिए आश्रित हैं उनका एक मजबूत सहारा बन सकता है जब व्यवस्थित तरीके से मंडी लगाई जाने लगेगी तो फिर लोगों का यहां पर आना मजबूरी हो जाएगी क्योंकि पूर्व में भी इसी उद्देश्य के साथ यहां पर सब्जी मंडी के लिए टीन सेड लगवाया गया था जो अब मेंटेनेंस ना होने के चलते ध्वस्त हो गया है जिसको कोई ध्यान भी नहीं दे रहा।

इनका कहना है

व्यापारी संघ कोठी के सह सचिव नीरज गुप्ता ने कहा कि नगर परिषद के पास काफी जमीन पड़ी हुई है लोगों ने जबरदस्ती अतिक्रमण कर रखा है यदि नगर परिषद अपनी पूर्ण इच्छा शक्ति के साथ कार्य करें तो निश्चित रूप से व्यवस्थाएं बनाई जा सकती हैं पूर्व में ऐसा किए जाने का प्रयास किया गया था परंतु योजना पर किसी ने अमल नहीं किया क्योंकि जिम्मेदारों के पास इच्छा शक्ति की कमी थी आज जिम्मेदारों द्वारा ध्यान न दिए जाने के चलते लाखों रुपए की लागत से पूर्व में बनाई गई सब्जी मंडी विलुप्त होने की कगार पर आ गई है

किंडरगार्टन प्ले स्कूल नागौद में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

नवभारत न्यूज

नागौद 30 नवम्बर। किंडरगार्टन प्ले स्कूल नागौद में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार खरे के मुख्यातिथि में किया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती जी के छाया चित्र के समक्ष द्वीप्रज्वलित कर किया गया।

मुख्य अतिथि का सम्मान स्कूल डायरेक्टर राकेश कुमार सोनी द्वारा शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। विद्यालय में विज्ञान प्रभारी श्रीमती हिना मंसूरी एवं श्रीमती रंजना सिंह द्वारा पुष्पगुच्छ भेट कर स्वागत किया गया ।

कार्यक्रम की प्रस्तावना श्रीमती हिना मंसूरी द्वारा एवं स्वागत भाषण श्रीमती रंजना सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया ।मुख्य अतिथि द्वारा फीता काटकर विज्ञान प्रदर्शनी का उदघाटन किया गया। बच्चों द्वारा एक से बढ़कर एक मॉडल बनाए गए ।मुख्यातिथि ने सभी मॉडलों का निरीक्षण किया एवं बच्चों से उसके निर्माण एवं उपयोगिता के बारे ने विस्तार से जानकारी लेते हुए उनकी प्रशंसा की।

इस प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि के साथ कृष्णम सिंह , ध्रुवराज सिंह, कृष्ण शरण सिंह के साथ साथ अभिभावकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

इस प्रदर्शनी में कक्षा 4वां से 8 वां तक के छात्र छात्राओं ने भाग लिया बच्चों द्वारा हाइड्रोलिक एसिड सिस्टम, वाटर टैंक ओवरफ्लो अलार्म,कूलर,वाटर फिल्टर,विंडमिल, रिन्यूएबल एनर्जी,इको हार्मनी,सोलर पावर सिस्टम,ग्लोबल वार्मिंग ग्रीन हाउस इफेक्ट,क्लाइमेट चेंज,ग्रीन एनर्जी वर्किंग मॉडल, कार्बन purification, फ्लोर मिल, रोबोट,स्मार्ट एग्रीकल्चर फॉर्मिंग जैसे आधुनिक मॉडल बनाए। बच्चों ने इन मॉडलों को विद्यालय की विज्ञान प्रभारी श्रीमती हिना मंसूरी, श्रीमती प्रियंका सिंह एवं श्रीमती रंजना सिंह का मार्गदर्शन में बनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि विज्ञान की नई नई तकनीक से आज हमारा देश समृद्ध हो रहा है ।हम हर क्षेत्र में प्रगति कर आत्मनिर्भर बन रहे है। विद्यालय में पढ़ाई के साथ साथ उनका प्रायोगिक ज्ञान होना चाहिए जो कि यह विद्यालय कर रहा है बच्चों द्वारा बनाए गए मॉडलों से यह प्रतीत होता है कि बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि उत्पन्न हो रही है,सभी बच्चों ने इन मॉडलों के बारे जो जानकारी दी वह बहुत ही प्रशंसनीय है। विद्यालय द्वारा आयोजित से कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए अपने सभी की शुभकामना दी। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती प्रियंका सिंह ने किया ।इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षकों का सहयोग एवं मार्गदर्शन रहा। कार्यक्रम में विद्यालय के अभिभावकों की भी उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

सेवादल का मासिक ध्वज वंदन कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज

मैहर 30 नवम्बर। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल जी भाई देसाई ,मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवा दल अध्यक्ष अवनीश भार्गव के निर्देशानुसार मैहर जिला कांग्रेस सेवा दल अध्यक्ष अरुण तनय मिश्र के कुशल मार्गदर्शन में मासिक ध्वज वंदन कार्यक्रम जिला अध्यक्ष धर्मेश घई मुख्य अतिथि वरिष्ठ कांग्रेस नेता केशव प्रसाद चौरसिया अध्यक्षता कांग्रेस नेता अखंड प्रताप सिंह रमेश प्रजापति के विशिष्ट अतिथि में स्थानीय सेवा दल कार्यालय में संपन्न हुआ

कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम गीत के साथ ध्वज बंधन कर राष्ट्रगान किया गया तत्पश्चात हार्डिकर जी के चित्रपट पर दीप प्रज्जवलित कर किया गया सेवादल के सिपाहियों द्वारा उपस्थित अतिथियों का सूत की

माला से स्वागत किया गया अपने उद्बोधन में जिला अध्यक्ष अरुण तनय मिश्र ने कहा कि सेवादल देश आजादी की लड़ाई लड़ रहा था तब महात्मा गांधी और पंडित नेहरू के आवाहन पर आजादी की लड़ाई में कांग्रेस सेवादल कंधे से कंधा मिलाकर गोरों से लड़ा था और आज भी सेवादल उन ताकतों से लड़ रहा है जो ताकते देश को कमजोर करने का पूरा प्रयास कर रहे हैं सेवादल ऐसे प्रयास को सफल नहीं होने देगा । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धर्मेश घई ने अपने उद्बोधन में कहा कि सेवादल कांग्रेस संगठन का अग्रिम अंग है जो कांग्रेस के विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने का काम करता है राष्ट्रीय ध्वज बंदन कार्यक्रम में कोई भी राष्ट्रभक्त शामिल हो सकता है चाहे वह किसी राजनैतिक दल का सदस्य, सरकारी, गैर सरकारी संस्था का अधिकारी या कर्मचारी हो आगे इस अवसर पर पूर्व पार्षद रमेश प्रजापति एवं अखंड प्रताप सिंह ने भी अपने विचार रखें इस अवसर पर सेवा दल द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान के तहत जिला अध्यक्ष के हाथों कई युवाओं ने सेवा दल की सदस्यता ग्रहण की जहां जिला अध्यक्ष धर्मेश घई एवं अरुण तनय मिश्र ने सूत की माला एवं टोपी पहनाकर सेवादल परिवार में सदस्यता प्रदान करते हुए स्वागत वंदन अभिनंदन किये।

कार्यक्रम का संचालन सेवादल अध्यक्ष अभिषेक सेन ने किया एवं आभार सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष ऋषिकेश पांडे ने व्यक्त किया। इस अवसर पर ऋषिकेश पांडे, मुकेश सेन,सुषमा अरजरिया, सेवादल ब्लॉक अमदरा अध्यक्ष पुष्पराज सिंह ,सुनील कोरी कमला सेन,महेंद्र रजक, उमाशंकर तिवारी,अभिषेक सेन, राजेंद्र शर्मा, अश्विनी द्विवेदी, परशुराम उरमलिया,अंकित सेन किशन द्विवेदी,अंबुज तनय, कोदूलाल, रबिनंदन प्रजापति, मुमताज मोहम्मद, विनोद विश्वकर्मा,रामू लाल विश्वकर्मा, लकी मोहम्मद जहीर मोहम्मद अंबर तनय हरबंस तिवारी आदि लोग उपस्थित रहे।

स्पिक मैके का शास्त्रीय गायन कार्यक्रम अमरपाटन में संपन्न

नवभारत न्यूज

अमरपाटन 30 नवम्बर ।भारत सरकार तथा राज्य सरकारों से समर्थित तथा गैर राजनीतिक स्वपोषित संगठन, युवाओं तक संगीत एवं कला साहित्य को पहुंचाने के लिए समर्पित संस्था स्पिक मैके अमरपाटन में राष्ट्रपति द्वारा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से पुरस्कृत हरिहरपुर बनारस घराने के शास्त्रीय गायक पंडित भोलानाथ मिश्र एवं तबला वादक पंडित काली नाथ मिश्र के शास्त्रीय गायन से क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के 5000 विद्यार्थियों के बीच कार्यक्रम संपन्न हुए ।

हारमोनियम पर संगत शिवम एवं अजय ने दी।

कलाकारों ने अपने मोहक संगीत में सुरीली, भावपूर्ण, गहन बनावट वाली सिलसिलेवार बढ़त, खूबसूरत विस्तार एवं जटिल तानों के द्वारा स्रोताओं को मंत्र मुग्ध किया। शास्त्रीय गायन के अतिरिक्त ठुमरी, दादरा, कजरी, चैती, होरी और भक्ति गीत जैसी विविध शैलियों की मर्मज्ञता से विद्यार्थियों को परिचित कराया। उन्होंने अपने मनमोहक गायन से क्षेत्रीय भारतीय परंपरा के जीवंत सार के दर्शन कराया।

एक नजर में

किसान यूनियन ने उचेहरा को पूर्ण मंडी का दर्जा देने की मांग

उचेहरा । भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ब्लॉक इकाई की बैठक कृषि उपज उप मंडी में यूनियन के जिला उपाध्यक्ष रामकलेश सिंह के मुख्य अतिथि में सम्पन्न हुई जबकी अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष ने की बैठक में किसानों का एक अहम मुद्दा फिर उठा जिसमें कृषि उपज उप मंडी को फुलमंडी का दर्जा दिलाने की मांग उठी । ज्ञात हो वर्तमान समय मे यहां की कृषि उपमंडी नागौद की मंडी के आधीन है। जानकारी अनुसार उचेहरा की मंडी में करो ?ी का राजस्व प्रति वर्ष आने के बाद भी इसे फुल मंडी का दर्जा शासन प्रशासन ने अभी तक आखिर क्यों नही दिया जबकि किसान यूनियन इस मांग को लगातार कई वर्षों से उठा रहा है । शासन प्रशासन अगर इस मांग पर जल्द ध्यान नही दिया तो जल्द ही आंदोलन करने की योजना किसानों द्वारा बनाई जा सकती है ।बैठक के अन्य मुद्दों में विद्युत सप्लाई अनवरत बनाये रखने ,कृषि विभाग द्वारा किसानों को समय पर खाद बीज मिलना सुनिश्चित करे ,पराली न जलाने सहित गरीबो को खाद्यान्न पर्ची दिलाये जाने तथा पोंडी गरादा का जला ट्रांसफार्मा बदलने का मुद्दा उक्त बैठक में उठा ।बैठक में मुख्य रुप से राजकुमार सिंह ,के डी सिंह ,रामराज सिंह ,गजाधर पाल ,महेंद्र सिंह ,रामखेलावन रजक ,अच्छेलाल सूर्यवंसी, सुखिया,कलावती ,राजकुमारी पटेल ,कौशिल्या पटेल ,रामेश्वर सिंह सहित काफी संख्या में किसान मौजूद रहे।

आई ए एस संतोष वर्मा बयान को लेकर असहनीय : दुर्गा शुक्ला

अमरपाटन । ब्राह्मण समाज व माता बहनों को अभद्र भाषा पर प्रयोग करने वाले को छोड़ नहीं जाएगा पंडित दुर्गा शुक्ला युवा ब्लॉक मंत्री अमरपाटन दो दिन पहले आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा के द्वारा भाषण मंच से दिया गया जो की माता बहनों को हरिजन के साथ शादी करने का बोल रहा था इस टिप्पणी पर ब्राह्मण समाज संपूर्ण मध्य प्रदेश से और निंदा करता है शासन प्रशासन अगर कानूनी कार्रवाई करके दंडित नहीं करता तो मध्य प्रदेश अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज जिला व प्रदेश विधानसभा सभी जगह धरना प्रदर्शन करेगा और उग्र आंदोलन की चेतावनी देता है अन्यथा संतोष वर्मा के ऊपर करवाई उक्त रूप से की जाए समाज के लिए मैं हरदम 24 घंटा तत्पर रहता हूं और प्रदेश व क्षेत्रीय नेताओं से ब्राह्मण होने की नाती है अपील करता हूं कि समाज का भी ध्यान देना कि खाली वोट का समझ नहीं रहेगा तो कोई नहीं रहेगा हर व्यक्ति का दायित्व बनता है कि अपने समाज के लिए आगे आकर समाज की लड़ाई को लड़े।

प्रिंसिपल अर्चना अग्रवाल की सेवानिवृत्ति पर दी गई विदाई

नागौद । रैगांव विधानसभा क्षेत्र के शासकीय हाई स्कूल इटमा की प्रिंसिपल श्रीमती अर्चना अग्रवाल सेवाकाल की अर्धवार्षिकी पूर्ण कर सेवानिवृत्ति हो गई। विद्यालय परिवार द्वारा सेवानिवृत होने पर विद्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने सेवानिवृत्ति प्राचार्य का तिलक माल्यार्पण कर उपहार सामग्री प्रदान कर विदाई दी इस अवसर पर श्रीमती अग्रवाल ने कहा मुझे विद्यालय परिवार द्वारा भरपूर सहयोग किया गया सेवानिवृत्ति एक शासकीय सेवक के लिए प्रक्रिया है जिसके तहत एक दिन सभी सेवकों को सेवानिवृत्ति होना पड़ता है अभिभावकों ने भी हमेशा सहयोग किया है उनके लिए तहे दिल से आभार व्यक्त करती हूं। इस मौके में अनुराग खरे, प्रज्ञा नामदेव ,रानी बागरी, दिव्या बागरी ,रामलाल कुशवाहा, आशा पाल आदि लोग उपस्थित रहे।

इतिहास या कल्पना वृंदावनलाल वर्मा की गढ़ कुंडार का सच जिसे जानना हर खंगार क्षत्रिय का धर्म है

नवभारत न्यूज

चित्रकूट 30 नवम्बर। हम अक्सर सुनते हैं जूनागढ के इतिहास से खंगार क्षत्रिय कि इतिहास गढ़ कुंडार से था वही लिखता है जो जीतता है वृंदावनलाल वर्मा की प्रसिद्ध किताब गढ़ कुंडार इसी कहावत का एक उदाहरण है। यह किताब साहित्य की दृष्टि से बेहतरीन हो सकती हैए लेकिन हमारे समाज के इतिहास की दृष्टि से इसमें कई खामियां हैं।

आज हम तथ्यों और तर्कों के साथ जानेंगे कि यह किताब हमारे समाज के लिए विवादास्पद क्यों है उपन्यास बनाम इतिहास सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि यह एक ऐतिहासिक उपन्यास है इतिहास की किताब नहीं। उपन्यास में लेखक को अपनी कल्पना जोड़ने की छूट होती है ।विवाद का कारणरू इस किताब में खंगार राजाओं के चरित्र को कमजोर और विलासी दिखाया गया है ।हमारा सच जिस वंश ने गढ़ कुंडारश् जैसा अभेद्य और अदृश्य किला बनवाया होए और जिनके पूर्वजों ने पृथ्वीराज चौहान के साथ युद्ध लड़े हों वह शासक अयोग्य कैसे हो सकता है यह केवल सत्ता परिवर्तन को सही ठहराने के लिए किया गया श्चरित्र चित्रणश् था ।राजकुमारी केसर दे का बलिदान क्यों गौण कर दिया गयाघ् किताब में अन्य पात्रों की कहानियों को बहुत बढ़ा.चढ़ा कर दिखाया गया है ।सच्चाईरू गढ़ कुंडार के कण.कण में आज भी राजकुमारी केसर दे ;महाराजा मानसिंह खंगार की पुत्रीद्ध के जौहर की गूंज है। जिन्होंने अपने कुल के स्वाभिमान के लिए अग्निन को गले लगाया।

लेखक ने केसर दे के उस महान बलिदान को वो स्थान नहीं दिया जो उसे मिलना चाहिए था क्योंकि कहानी का झुकाव जीतने वाले पक्ष की ओर था।धोखे को रणनीतिश् बताना इतिहास गवाह है कि गढ़ कुंडार का पतन किसी खुले युद्ध में नहींए बल्कि एक गहरे विश्वासघात से हुआ था ।विवाह प्रस्ताव और उत्सव के नाम पर निहत्थे वीरों पर प्रहार करनाइसे वीरता नहीं कहा जा सकता ।किताब में इस घटनाक्रम को एक श्चतुर रणनीतिश् के रूप में प्रस्तुत किया गया।